Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 28 , मंगलवार, 20 फरवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

हॉफवे होम्स से पुलिस को हटाया जाए : कोर्ट

कानपुर (एजेंसी)। बदमाश यूनियन बैंक के 32 लॉकर गैस कटर से काटकर करोड़ों की नकदी और जेवर पार कर ले गए। सोमवार सुबह जब एक कर्मचारी बैंक खोलने पहुंचा तो अंदर का नाजारा देख दंग रह गया। घबड़ाए कर्मचारी ने शाखा प्रबंधक और पुलिस को मामले की जानकारी दी। सूचना पर एडीजी, आईजी, एसएसपी, एसपी साउथ कई थानों की फोर्स के मौके पर पहुंचे। इसबीच धीरे-धीरे कर ग्राहक भी जानकारी पर आते गए। उधर, एसएसपी अखिलेश कुमार मीणा ने शाम करीब साढ़े चार बजे घटना में लापरवाही को लेकर नौबस्ता एसओ अखिलेश कुमार जायसवाल को लाइन हाजिर कर थाने का प्रभार रेलबाजार के संतोष कुमार सिंह को सौंप दिया। नौबस्ता थानाक्षेत्र के यशादोनगर वाई ब्लॉक में के-ब्लॉक किदवईनगर निवासी राजेंद्र सिंह का तीन मंजिला मकान है। नीचे की मंजिल में यूनियन बैंक और एटीएम है। जबकि ऊपर की मंजिल में एक कोचिंग संस्थान है। सोमवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे कर्मचारी महेश शर्मा ने बैंक खोला तो अंदर का नजारा देख उसके होश उड़ गए। सीसीटीवी और ऊपर का जाल टूटे थे, वहीं कई लॉकर गैस कटर से कटे थे। इसपर उसने तुरंत मामले की सूचना शाखा प्रबंधक प्रणव श्रीवास्तव और कंट्रोल रूम पर दी। सूचना पर सबसे पहले कई थानों की फोर्स के साथ एसपी साउथ पहुंचे, जिन्होंने बैंक के बाहर बैरीकेटिंग लगाकर सभी को बाहर ही रोका दिया। इसके बाद फॉरेंसिक और डॉग स्क्वायड टीम ने जांच-पड़ताल शुरू की। इसबीच ग्राहकों की भारी भीड़ बैंक के बाहर जमा हो गई। करीब ढाई बजे बताया गया कि एससी कोड के 32 लॉकर टूटे हैं। टूटे लॉकरों की संख्या और नाम सहित लिस्ट बाहर चस्पा की गई। जिन लोगों के लॉकर टूटे थे, उनमें कई पुरुष और महिलाएं गश खाकर गिर पड़ीं। साथ रहे लोगों ने संभाला। एक अनुमान के मुताबिक, 32 लॉकरों में कई करोड़ की संपत्ति रही।

बाइक को टक्कर मार पलटी तेज रफ्तार कर

नई दिल्ली (एजेंसी) । पश्चिमी जिले के विकासपुरी थाना इलाके में रविवार शाम एक तेज रफ्तार कार बाइक को टक्कर मारते हुए पलट गई। घटना विकासपुरी फ्लाई ओवर के पास की है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि आरोपी कार चालक खुद ही बाइक सवार दंपति व उनके बेटे को लेकर डीडीयू अस्पताल चला गया है। जहां सभी घायलों का इलाज किया जा रहा है। घायलों में बाइक सवार दंपति की पहचान उत्तम नगर निवासी चितरंजन व उसकी पत्नी रिंकू देवी व बेटा अंजन के रूप में हुई। हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि तीनों को ज्यादा चोटें नहीं आई हैं। पुलिस ने आशंका जताई है कि तेज रफ्तार में बाइक को बचाने के प्रयास में ही कार पलट गई। हालांकि इस दौरान बाइक कार की चपेट में आ गई। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

ट्रक चालक को अगवा कर लूटा, बदमाश बंदी

नई दिल्ली (एजेंसी) । शालीमार बाग थाना इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने एक ट्रक चालक को हथियार के बल पर अगवा कर लिया और बाइक पर बैठाकर घंटों इधर-उधर घूमाने के बाद किसी सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ लूटपाट की और फरार हो गए। उधर, पीड़ित के तुरंत शोर मचाने पर गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों ने एक बदमाश को दबोच लिया। दो अन्य बदमाश फरार हो गए। आरोपी की पहचान विजय के रूप में हुई। फिलहाल पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ करते हुए फरार अन्य बदमाशों की तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक, हरियाणा निवासी मुबीन खान (32) एक प्राइवेट कंपनी में ट्रक चालक है। उसकी कंपनी का हेड ऑफिस गुरुग्राम में है। अपने बयान में पीड़ित ने बताया कि देर रात करीब 11 बजे वह गुरुग्राम से ट्रक में दो कार लेकर शालीमार बाग में किसी कंपनी को डिलीवर करने निकला था। दावा है कि शालीमार बाग इलाके में पहुंचने पर वह रास्ता भूल गया और ट्रक को किनारे पर खड़ा कर पता पूछने लगा। तभी वहां बाइक सवार तीन युवक दिखे जिनसे वह पता पूछने लगा। पता पूछने पर बाइक सवार युवकों ने चाकू निकालकर उसे जबरन बाइक पर बैठा लिया। काफी देर तक इधर-उधर घुमाने के बाद बाइक सवार बदमाश मुबीन को एक सुनसान जगह पर ले गए। जहां पीड़ित से 13 हजार रु पए व मोबाइल लूट कर फरार हो गए। उनके जाते ही पीड़ित ने शोर मचा दिया, जिसे सुनकर पास ही गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों ने पीछा कर एक बदमाश को दबोच लिया।

»» देश तय करे कि कौन है ईमानदार

बीजेपी के पास दो मोदी और आप के पास दो गुप्ता..

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसएनबी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब नेशनल बैंक से जुड़े घोटाले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाने पर लिया है। राजधानी दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी के पास दो मोदी हैं और हमारे पास दो गुप्ता हैं। अब देश तय करे कि मोदी ईमानदार हैं या गुप्ता?

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने एक कार्यक्रम में बीजेपी पर ललित मोदी और नीरव मोदी को लेकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों जब आप ने दो गुप्ता के नाम पर राज्यसभा के लिए मुहर लगाई थी तो बीजेपी ने इनके चयन पर सवाल उठाया था।

बीजेपी का आरोप था कि आप के राज्यसभा उम्मीदवार पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। अब केजरीवाल पीएम मोदी से पूछे रहे हैं कि आप बताएं कि आपके मोदी ईमानदार हैं या हमारे गुप्ता? रविवार को अरविंद केजरीवाल दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित वैश्य अग्रवाल आभार समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान वो अपनी पार्टी की तरफ से राज्यसभा भेजे गए दोनों सांसदों सुशील गुप्ता और एनडी गुप्ता के चयन पर सफाई देने लगे। इसी क्रम में वे पीएनबी घोटाले पर बोलने लगे और ये सवाल उठाए।

केजरीवाल ने कहा, ''सुशील गुप्ता और एनडी गुप्ता को काबिलियत के आधार पर टिकट दिया गया। बीजेपी और कांग्रेस वालों ने इसे 2जी घोटाला बताया, लेकिन इनकी समस्या ये है कि दो गुप्ता को टिकट दे दिए। ये अग्रवाल समाज से नफरत करते हैं। इससे आगे केजरीवाल ने कहा, ''बीजेपी और कांग्रेस ने अग्रवाल समाज का अपमान

किया है। बीजेपी के पास दो मोदी हैं और हमारे पास दो गुप्ता हैं। अब देश तय करे कि मोदी ईमानदार हैं या गुप्ता?दो गुप्ता को राज्यसभा भेजने पर सफाई: केजरीवाल ने गुप्ता समाज के बीच मंच से राज्यसभा के लिए एनडी गुप्ता और सुशील गुप्ता के चयन पर भी सफाई दी। उन्होंने बताया कि आज आम आदमी पार्टी के 3 सांसद राजयसभा में गए। संजय सिंह के नाम पर पार्टी ने सहमति जताई। फिर 12 विधायक हमारे पास आए और सुशील गुप्ता का नाम दिया। मैं तब ज्यादा नहीं जानता था। मैंने सुशील गुप्ता के बारे में पता किया कि वो इज्जतदार व्यक्तिहैं। पूरी जांच करने के बाद सुशील गुप्ता को चुना गया।

केजरीवाल ने सुशील गुप्ता के साथ ही एनडी गुप्ता को लेकर भी सफाई दी। उन्होंने कहा कि एनडी गुप्ता जाने-माने सीए हैं, इसलिए उनके नाम की घोषणा भी की गई। केजरीवाल ने आगे कहा कि हमारी पार्टी जात-पात पर भरोसा नहीं करती है, हम देश पर मिटने वाले लोग हैं।

बिहार: राजेंद्र नगर टर्मिनल पर रेलवे परीक्षा को लेकर बवाल, लाठीचार्जपट

पटना। पटना के राजेंद्र नगर टर्मिनल पर रेलवे परीक्षा को लेकर बवाल हुआ है। पुलिस और छात्रों में जमकर रोड़ेबाजी हुई। छात्रों ने दो घंटे तक प्रदर्शन किया। हंगामा कर रहे छात्रों पर पुलिस ने लाठी चार्ज किया। राजेन्द्र नगर रेलवे स्टेशन पर हंगामा करने वालें 10 को पुलिस ने हिरासत में लिया है। इसमे nsui के प्रदेश अध्यक्ष चुन्नू सिंह ठाकुर भी हिरासत में लिए गए। रेलवे की वैकेंसी में आईटीआई के छात्रों को अधिक वेटेज देने को लेकर यह बवाल हुआ है. रेलवे भर्ती बोर्ड ने कई साल के बाद भर्ती निकाली है जिसकी आयु सीमा को लेकर छात्रों ने आन्दोलन किया है। आइटीआइ पास अभ्यर्थियों के लिए वैकेंसी में ग्रुप डी के अभ्यर्थियों के लिए अधिकतम उम्रसीमा 28 साल रखी गई है। इसके बाद छात्र आन्दोलन कर रहे हैं। राजेंद्र नगर टर्मिनल पर बड़ी संख्या में जुटे छात्रों को पुलिस ने हटाने का प्रयास किया पर अभ्यार्थी नहीं माने। इसके बाद हंगामा और रोड़ेबाजी शुरू हो गई। अभ्यर्थी उम्र सीमा 28 साल से 30 साल करने को लेकर लड़के अड़ गए हैं।

»» युवा अवसरों का भरपूर उपयोग करें : कोविंद

डीयू पीजीडीएवी कॉलेज की हीरक जयंती पर बोले राष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी) । राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने कहा कि हाल के वर्षो में देश में स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया व मेक इन इंडिया आदि कार्यक्रमों के जरिए युवाओं को बहुत से अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। जरूरत है कि युवा इन अवसरों का भरपूर उपयोग करें और अपना विकास करते हुए दूसरों के लिए विकास के अवसर पैदा करें।

कोविंद ने यह बात दिल्ली विविद्यालय से सम्बद्ध पीजीडीएवी कॉलेज के 60 साल पूरे होने पर आयोजित हीरक जयंती समारोह में कही।

अपने संबोधन के दौरान महामहिम ने छात्रों से कहा कि इस महान संस्था के पूर्व छात्र होने के नाते वे भी डीएवी बिरादरी के सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि डीएवी शैक्षणिक संस्थान 19वीं शताब्दी में शुरू हुए और आज 21 वीं शताब्दी की ज्ञान अर्थव्यवस्था का नेतृत्व कर रहे हैं। इस मौके पर डीयू के कुलपति प्रो. योगेश त्यागी ने कहा कि आज के युवाओं की भूमिका केवल खुद को शिक्षित करने तक ही सीमित नहीं है, उन्हें पर्यावरण प्रबंधन और सामाजिक मूल्यों के उत्थान के लिए भी कार्य करना चाहिए। प्रख्यात शिक्षाविद डॉ सतीश शर्मा ने शिक्षा के क्षेत्र में डीएवी संस्थान द्वारा की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों और भूमिका का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ और झारखंड जैसे अविकसित क्षेत्रों में डीएवी संगठन ने विभिन्न शैक्षिक पहल करके लड़कियों और लड़कों की शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है।

समारोह की शुरुआत पीजीडीएवी कॉलेज के प्राचार्य डॉ मुकेश अग्रवाल के

स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने कॉलेज में चल रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। कलेज के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कॉलेज की भविष्य की योजनाओं की जानकारी भी दी। कार्यक्रम का संचालन कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अवनिजेश अवस्थी ने किया।

फेसबुक फ्रेंड ने सेक्स करने से किया इनकार तो मिली ये खतरनाक सजा...

मुंबई। महाराष्ट्र के नालासोपारा से एक सनसनी फैलाने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक शख्स ने अपनी फेसबुक फ्रेंड की हत्या जूते के फीते से गला दबाकर इसलिए कर दी क्योंकि उसने सेक्स से इनकार कर दिया था। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 25 साल के व्यक्ति ने अपने ही घर पर इस वारदात को अंजाम पहुंचाया है। पुलिस ने बताया आरोपी काम हरिदास निरगुडे और पीड़िता का नाम अंकिता है और वह 20 साल की है। दोनों की दोस्ती सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक पर हुई थी। जानकारी के मुताबिक हरीदास ने रविवार को अपनी फेसबुक की महिला मित्र को पहले नालासोपारा स्थित घर पर बुलाया और कुछ देर बातचीत है। उसके बाद आरोपी अंकिता से सेक्स की डिमांड करने लगा। जब महिला ने उसे ऐसा करने से मना कर दिया तो वह जबरदस्ती करने लगा। विरोध करने पर अपने जूते की फीते से महिला को गला दबाकर मार डाला। आरोपी ने अंकिता को मारने के बाद शव को घर से कुछ दूर के इलाके में फेंक दिया। वहां के स्थानीय लोगों ने ऐसा करते देख लिया और तुरंत पुलिस को इस बात की जानकारी दी।

पुलिस मौके पर घटनास्थल पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल आरोपी को हिरासत में लिया गया है और उसने अपराध भी कबूल कर लिया है।

यूनियन बैंक के 32 लॉकर काटकर करोड़ों का माल ले गए बदमाश, एसओ लाइन हाजिर

कानपुर। बदमाश यूनियन बैंक के 32 लॉकर गैस कटर से काटकर करोड़ों की नकदी और जेवर पार कर ले गए। सोमवार सुबह जब एक कर्मचारी बैंक खोलने पहुंचा तो अंदर का नाजारा देख दंग रह गया। घबड़ाए कर्मचारी ने शाखा प्रबंधक और पुलिस को मामले की जानकारी दी। सूचना पर एडीजी, आईजी, एसएसपी, एसपी साउथ कई थानों की फोर्स के मौके पर पहुंचे। इसबीच धीरे-धीरे कर ग्राहक भी जानकारी पर आते गए। उधर, एसएसपी अखिलेश कुमार मीणा ने शाम करीब साढ़े चार बजे घटना में लापरवाही को लेकर नौबस्ता एसओ अखिलेश कुमार जायसवाल को लाइन हाजिर कर थाने का प्रभार रेलबाजार के संतोष कुमार सिंह को सौंप दिया। नौबस्ता थानाक्षेत्र के यशादोनगर वाई ब्लॉक में के-ब्लॉक किदवईनगर निवासी राजेंद्र सिंह का तीन मंजिला मकान है। नीचे की मंजिल में यूनियन बैंक और एटीएम है। जबकि ऊपर की मंजिल में एक कोचिंग संस्थान है। सोमवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे कर्मचारी महेश शर्मा ने बैंक खोला तो अंदर का नजारा देख उसके होश उड़ गए। सीसीटीवी और ऊपर का जाल टूटे थे, वहीं कई लॉकर गैस कटर से कटे थे। इसपर उसने तुरंत मामले की सूचना शाखा प्रबंधक प्रणव श्रीवास्तव और कंट्रोल रूम पर दी। सूचना पर सबसे पहले कई थानों की फोर्स के साथ एसपी साउथ पहुंचे, जिन्होंने बैंक के बाहर बैरीकेटिंग लगाकर सभी को बाहर ही रोका दिया। इसके बाद फॉरेंसिक और डॉग स्क्वायड टीम ने जांच-पड़ताल शुरू की। इसबीच ग्राहकों की भारी भीड़ बैंक के बाहर जमा हो गई। करीब ढाई बजे बताया गया कि एससी कोड के 32 लॉकर टूटे हैं। टूटे लॉकरों की संख्या और नाम सहित लिस्ट बाहर चस्पा की गई। जिन लोगों के लॉकर टूटे थे, उनमें कई पुरुष और महिलाएं गश खाकर गिर पड़ीं। साथ रहे लोगों ने संभाला। एक अनुमान के मुताबिक, 32 लॉकरों में कई करोड़ की संपत्ति रही।

»» रोटोमैक स्कैमः कानपुर से ही कमाई शोहरत

छोड़कर जाने का सवाल नहीं- विक्रम कोठारी

कानपुर (एजेंसी) । रोटोमैक समूह के चेयरमैन उद्योगपति विक्रम कोठारी ने मीडिया के सामने आकर अपने बारे में उड़ रही अटकलों का खंडन किया। उन्होंने कहा था कि कानपुर से ही इज्जत और नाम कमाया है।

ये देश मेरा है और अपना शहर व देश छोड़कर जाने की अटकलें कोरी अफवाह हैं। बैंकों का मुझ पर लोन है और इस संबंध में मामला एनसीएलटी में चल रहा है।

बैंक और मैं एक दूसरे का सहयोग कर रहे हैं और मिलकर समाधान का रास्ता निकाल रहे हैं। व्यापारी हूं और बैंकों पर बकाया अपने कर्ज का पूरा भुगतान करूंगा। उन्होंने कहा कि कानपुर का रहने वाला हूं और कानपुर का निवासी हूं।

इसी शहर से शोहरत कमाई है। इसे छोड़कर कहीं जाने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने आगे कहा कि भारत मेरा देश है और इसे कैसे छोड़ सकता हूं। बैंकों पर लोन का मामला स्वीकारते हुए कहा कि ये मामला एनसीएलटी में चल रहा है। एनसीएलटी कमेटी के साथ नियमित बैठक हो रही है। इस संबंध में बैंकों के साथ तीन बैठकें हो चुकी हैं।

मैं और बैंक हर तरह से एक दूसरे का सहयोग कर रहे हैं और बैंकों के साथ मिलकर समाधान तलाश रहे हैं। रोटोमैक समूह के चेयरमैन ने उम्मीद जताई कि वे जरूर किसी रास्ते पर निकलेंगे क्योंकि नीयत साफ है। बैंकों को बकाया रकम चुकाना है। व्यापार करते हैं और व्यापार ही करते रहेंगे।

क्या है विक्रम कोठारी का पूरा मामला

रोटोमैक कंपनी को 5 बैंकों इलाहाबाद बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन ओवरसीज बैंक और यूनियन बैंक ने लोन दिया था। इन बैंकों ने शर्तों से समझौता कर लोन पास किया था।

विक्रम कोठारी पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया मुंबई शाखा की 485 करोड़, इलाहाबाद बैंक कोलकाता शाखा की 352 करोड़, बीओबी की 600 करोड़, बीओआई (लीड बैंक) की 1365 करोड़ और आईओबी की 1000 करोड़ रुपये की बकाएदारी है।

बैंकों का आरोप है कि विक्रम कोठारी ने कथित तौर पर न लोन की रकम लौटाई और न ही ब्याज दिया। इसपर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के दिशा निर्देशों पर एक ऑथराइज्ड जांच कमेटी गठित की गई।

कमेटी ने 27 फरवरी 2017 को रोटोमैक ग्लोबल प्राइवेट लि. को विलफुल डिफॉल्टर (जानबूझकर कर्ज नहीं चुकानेवाला) घोषित कर दिया। कमेटी ने लीड बैंक की पहल पर यह आदेश पारित किया था।

13 अप्रैल 2017 को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने रोटोमैक ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड को उसकी उन संपत्तियों या किस्तों का ब्योरा पेश करने का निर्देश दिया जिनका बैंक ऑफ बड़ौदा को भुगतान किया गया है।

कंपनी ने दलील दी कि रोटोमैक द्वारा चूक की तिथि के बाद से इस बैंक को 300 करोड़ से अधिक मूल्य की संपत्तियों की पेशकश किए जाने के

बावजूद बॉब ने उसे इरादतन चूककर्ता घोषित कर दिया। बैंक की ओर से पेश हुईं वकील अर्चना सिंह ने कहा था कि कंपनी को अपने बकाए का निपटान करने के लिए 550 करोड़ रुपये का भुगतान करना है।

आरोप लगाया था कि कंपनी के निदेशक विक्रम कोठारी लोन रीपेमेंट से बचने के लिए दूसरी कंपनियों में पैसा लगा रहे हैं। इसी बीच विक्रम कोठारी के देश छोड़कर भागने की खबरों के बीच शनिवार को कोठारी मीडिया के सामने आए और कहा कि वह कानपुर में ही हैं। उन्होंने कहा, 'बैंकों ने मेरी कंपनी को नॉन-परफॉर्मिंग ऐसेट (एनपीए) घोषित किया है, न कि डिफॉल्टर। मामला अब भी नैशनल कंपनी लॉ ट्राइब्यूनल (एनसीएलटी) में है। मैंने लोन लिया है और इसे जल्द वापस करूंगा।'

असफलता से डरो मत। असफलता नहीं छोटा लक्ष्य बनाना अपराध है। महान प्रयासों में असफ ल होना भी शानदार होता है - ब्रूस ली

भावनाओं का उतार-चढ़ाव

ईरान के राष्ट्रपति हसन रोहानी की भारत यात्रा से नई दिल्ली और तेहरान के बीच रणनीतिक साझेदारी और पुख्ता हुई और भारत को मध्य एशिया में अपनी पहुंच बढ़ाने का मौका मिला है। इस क्षेत्र से होते हुए यूरोप तक पहुंचने के लिए भारत सक्रिय प्रयास करता रहा है। और दक्षिण-उत्तर गलियारा परियोजना के तहत भारत, रूस और ईरान आपस में सहयोग कर रहे हैं। चाबहार बंदरगाह परियोजना ऐसा ही प्रयास है, जिसके माध्यम से भारत पाकिस्तान पर निर्भर न रहते हुए सीधे अफगानिस्तान और ईरान अपना माल भेज सकेगा। दोनों देशों के बीच कुल नौ समझौते हुए हैं, जिनमें चाबहार बंदरगाह और दोनों देशों के बीच प्रत्यपर्ण संधि सबसे अहम है। इसके अलावा पारंपरिक स्वास्य और चिकित्सा, कृषि, व्यापार आदि क्षेत्र भी हैं, जिनको लेकर द्विपक्षीय समझौते हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 2016 में हुई तेहरान यात्रा के बाद से ही दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त हुआ था। चाबहार बंदरगाह भारत के लिए बहुत महत्त्व रखता है क्योंकि पाकिस्तान अपने क्षेत्र से होकर भारत, अफगानिस्तान और ईरान में सामान नहीं भेजने देता है। इसीलिए चाबहार के मसले पर दोनों देशों के बीच जो करार हुआ है, उसके तहत बंदरगाह के एक भाग के 18 माह तक संचालन का अधिकार भारतीय कंपनी को सौंपा गया है, जो भारत की व्यापारिक दृष्टि से अहम है। चाबहार के संबंध में जो समझौते हुए हैं, उसका संदेश चीन, पाकिस्तान ही नहीं बल्कि अमेरिका तक जाता है। भारत और ईरान दोनों ने अमेरिका की उस धमकी की अनदेखी करते हुए यह समझौता किया है, जो ईरान पर अधिक-से-अधिक प्रतिबंध लगाने का पक्षधर रहता है। आने वाले दिनों में ईरान के खिलाफअमेरिका कोई नया प्रतिबंध भी लगा सकता है। इस्त्रइल के साथ भारत के बढ़ते आत्मीय संबंधों के चलते यह धारणा बन रही थी कि भारत अपनी पारंपरिक पश्चिम एशिया की नीति से हट रहा है, लेकिन रोहानी की भारत यात्रा और हाल में हुई मोदी की फिलिस्तीन यात्रा से इस धारणा को गलत साबित करने में मदद मिलेगी। दरअसल, भारत पश्चिम एशिया में संतुलन बनाकर रखना चाहता है। भारत की विदेश नीति स्वतंत्र है और वह किसी के दबाव में आकर काम नहीं करती; ईरान के साथ जो समझौते हुएहैं, वह इस बात को साबित करता है। आने वाले दिनों में भारत और ईरान के बीच आर्थिक व रणनीतिक साझेदारी और पुख्ता होगी, इसकी उम्मीद की जानी चाहिए।

सवरेच्च न्यायालय

सवरेच्च न्यायालय ने मेडिकल जांच के बिना प्रीमियम की राशि वसूलने पर बीमा पॉलिसी को जायज ठहराते हुए एक अहम फैसला दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट लहजे में कहा है कि अगर मेडिकल जांच अनिवार्य है तो बीमा कंपनी को पहले हर कीमत पर डॉक्टरी मुआयना किए जाने की व्यवस्था करनी चाहिए और उसके बाद ही प्रीमियम की ओर नजर करनी चाहिए। मेडिकल जांच कराने का दायित्व बीमा करने वाली कंपनी का है न कि उपभोक्ता का। लेकिन धन कमाने के नशे में कई बीमा कंपनियां बगैर डॉक्टरी जांच कराए ही प्रीमियम वसूलना आरंभ कर देती हैं और किसी अप्रिय स्थिति में अपनी जिम्मेदारियों का ठीकरा उपभोक्ताओं पर फोड़ने की कोशिश करती हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रवृत्ति पर लगाम लगाने के लिए सख्ती दिखाई है और कहा है कि प्रीमियम वसूलने के बाद और बीमाधारक की मौत होने पर उसे मुआवजे की राशि अदा करने के बजाये मेडिकल जांच नहीं कराने का बहाना नहीं चलेगा। मृतक के परिजन संपूर्ण बीमा राशि प्राप्त करने के हकदार हैं। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एन वी रमण एवं न्यायमूर्ति अब्दुल नजीर की खंडपीठ ने यह फैसला हैदराबाद के के डी श्रीनिवास की अपील पर दिया। बीमा कंपनी एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने यह कह कर बीमा राशि देने से मना कर दिया था कि श्रीनिवास के बेटे ने मेडिकल जांच नहीं कराई थी। श्रीनिवास, उनकी पत्नी और उनके बेटे ने मकान बनाने के लिए संयुक्त रूप से हाउसिंग लोन लिया था। हाउसिंग लोन लेते समय ग्रुप इंश्योरेंस किया गया था और इसके लिए बाकायदा प्रीमियम वसूला गया था। लोन लेने के दो महीने के बाद ही वेणुगोपाल की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने जोर देकर कहा कि अगर कंपनी ने बगैर स्वास्य की जांच पड़ताल किए बीमा कंपनी ने उपभोक्ता को चिकित्सकीय जांच से छूट प्रदान कर दी है। अदालत का यह निर्णय ऐतिहासिक है, जिससे न केवल स्वास्य क्षेत्र में पसर रही घोर बाजारवादी प्रवृत्तियों पर अंकुश लगेगा बल्कि बड़ी संख्या में आमजन को भी राहत मिलेगी।

सत्संग

इंद्रियों को तुष्ट करना

प्रभुपाद ने भगवान कृष्ण को गोविन्द कहकर संबोधित किया क्योंकि वे गौवों और इंद्रियों की समस्त प्रसन्नता के विषय हैं। इस विशिष्ट शब्द का प्रयोग करके अजरुन संकेत करता है कि कृष्ण यह समझें कि अजरुन की इंद्रियां कैसे तृप्त होंगी। किन्तु गोविन्द हमारी इंद्रियों को तुष्ट करने के लिए नहीं हैं। हां, यदि हम गोविन्द की इंद्रियों को तुष्ट करने का प्रयास करते हैं तो हमारी इंद्रियां स्वत: तुष्ट होती हैं। भौतिक दृष्टि से, प्रत्येक व्यक्ति अपनी इंद्रियों को तुष्ट करना चाहता है और चाहता है कि ईर उसके आज्ञापालक की तरह काम करें। किंतु ईर उनकी तृप्ति वहीं तक करते हैं, जितनी के वे पात्र होते हैं-उस हद तक नहीं जितना वे चाहते हैं। मगर जब कोई इसके विपरीत मार्ग ग्रहण करता है अर्थात जब वह अपनी इंद्रियों की तृप्ति की चिन्ता न करके गोविंद की इंद्रियों की तृप्ति करने का प्रयास करता है तो गोविंद की कृपा से जीव की सारी इच्छाएं पूर्ण हो जाती हैं। यहां पर जाति और कुटुम्बियों के प्रति अजरुन का प्रगाढ़ स्नेह आंशिक रूप से इन सबके प्रति उसक स्वाभाविक करुणा के कारण है। अत: वह युद्ध करने के लिए तैयार नहीं है। हर व्यक्ति अपने वैभव का प्रदर्शन अपने मित्रों और परिजनों के समक्ष करना चाहता है किन्तु अर्जन को भय है कि उसके सारे मित्र और परिजन युद्धभूमि में मारे जाएंगे और वह विजय के पश्चात उनके साथ अपने वैभव का उपयोग नहीं कर सकेगा। भौतिक जीवन का यह सामान्य लेखा-जोखा है। परंतु आध्यात्मिक जीवन इससे सर्वथा भिन्न होता है। चूंकि भक्त भगवान की इच्छाओं की पूर्ति करना चाहता है अत: भगवद्-इच्छा होने पर वह भगवान की सेवा के लिए सारे ऐश्वर्य स्वीकार कर सकता है किंतु यदि भगवद्-इच्छा न हो तो वह एक पैसा भी ग्रहण नहीं करता अजरुन अपने संबंधियों को मारना नहीं चाह रहा था और यदि उनको मारने की आवश्यकता हो तो अजरुन की इच्छा थी कि कृष्ण स्वयं उनका वध करें। इस समय उसे यह पता नहीं है कि कृष्ण उन सबों को युद्धभूमि में आने के पूर्व ही मार चुके हैं और अब उसे निमित्त मात्र बनना है। इसका उद्घाटन अगले अध्यायों में होगा। भगवान की असली भक्त होने के कारण अजरुन अपने अत्याचारी बंधु-बांधवों से प्रतिशोध नहीं लेना चाहता था किन्तु यह तो भगवान की योजना थी कि सबका वध हो। भगवद्भक्त दुष्टों से प्रतिशोध नहीं लेना चाहते मगर भगवान दुष्टों द्वारा भक्त के उत्पीड़न को सहन नहीं कर पाते।

प्रक्रिया और सुधार ने घोटालो

सियासी हलकों में भले ही इस घोटाले की गूंज के साथ आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया हो, पर इतना तो तय है कि देश में अब तक सामने आए इस सबसे बड़े घोटाले की मार आम जनता के सिर पर ही पड़ेगी।सोचने की बात है कि जो बैंकिंग व्यवस्था एक बड़े नेटवर्क से जुड़ी है, जिसमें नीचे से ऊपर तक जगह-जगह ''चेक' लगे हों, जो बैंक प्रबंधन से लेकर वित्त मंत्रालय तक गहरी नजरों से गुजरती हो, मासिक, त्रैमासिक और वार्षिक पड़तालें जिसका पोस्टमॉर्टम करती हों, वहां आठ वर्षो से जारी इतने बड़े घोटाले पर किसी जिम्मेदार की निगाह क्यों

सतीश पेडणोकर

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में फर्जीवाड़े के विवरणों पर गौर करने के बजाय इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि इन घोटालों को लेकर राजनीतिक स्तर पर किस तरह की प्रतिक्रियाएं आती है? पीएनबी में फर्जीवाड़े में नीरव मोदी का नाम आया और उसे कांग्रेस के प्रवक्ता ने ''छोटा मोदी' बुलाया। तब भाजपा के प्रवक्ता ने नीरव मोदी को ''छोटा मोदी' कहे जाने पर गहरी आपत्ति प्रकट की। उन्होंने कांग्रेस प्रवक्ता द्वारा दावोस में इस वर्ष जमा हुए भारतीय अमीरों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीरव मोदी के साथ सार्वजनिक ग्रुप फोटो को फिर से सार्वजनिक करने पर भी आपत्ति प्रकट की। भाजपा प्रवक्ता ने यह धमकी दी कि उनके पास भी कांग्रेस के नेताओं के साथ मेहुल चौकसी की तस्वीरे हैं। चौकसी भी नीरव मोदी के साथ पीएनबी के फर्जीवाड़े में शामिल हैं। भाजपा प्रवक्ता की धमकी के बाद ही यह भी सामने आ गया कि मोदी ने सत्ता संभालने के बाद एक कार्यक्रम में अपने सामने बैठे चौकसी की तारीफ की थी।

भारतीय राजनीति में यह बात बिल्कुल बेमानी हो चुकी है कि किस घोटालेबाज का किस राजनीतिक पार्टी या राजनीतिक नेताओं के साथ संबंध है? जब भी कोई घोटाला सामने आ रहा है तो ये एक राजनीतिक शैली बन गई है कि उस घोटालेबाज के रिश्ते राजनीतिक पार्टी के साथ किसी भी तरह जोड़कर दिखाया जाए? इससे घोटाले के खिलाफ एक लोकप्रिय होने वाले अंदाज की खोज होती है। उसे जनसंचार माध्यमों की संस्कृति से प्रभावित करार दिया जा सकता है लेकिन यह एक सतही विश्लेषण होता है। यह पूंजीवादी जन संचार माध्यमों की संस्कृति के प्रभाव के बजाय पूंजीवादी राजनीति की विवशता का परिचायक हैं।

एक तरह की पूंजीवादी पार्टियों के बीच यह समझौता है कि एक-दूसरे पर घोटाले की वजहों को टालकर इन घोटालों को मौजूदा राजनीतिक संस्कृति से जुड़ने से रोका जाए। और इसके लिए भाषा का सबसे कारगर इस्तेमाल होता है। इसी तरह की कोशिशों की ही यह कड़ी है कि किसी नये घोटाले का सिरा विपक्ष की पुरानी सरकार के कार्यकाल से जोड़ा जाता है। पीएनबी के फर्जीवाड़े में भी भाजपा के प्रवक्ता ने इसे 2011 से चल रहे सिलसिले का भंडाफोड़ बताया। सरसरी निगाह डाले तो यह पाते हैं कि हमने ऐसी एक ठोस राजनीतिक व्यवस्था विकसित कर ली है, जिसमें दलों की सक्रियता घोटालों के खिलाफ बनी भी रहे और घोटाले भी अमीरी और अमीरों को पैदा करते रहें। अंग्रेजों के जाने के बाद से घोटालों को लेकर चर्चा की जा रही है। सत्ता से जुड़ने के बाद नेताओं की संपत्ति में बढ़ोतरी के बारे में 1957 में डॉ. राम मनोहर लोहिया ने कार्यकर्ताओं की एक बैठक में दी थी। उन्होंने तब कहा कि वित्त मंत्री टी.टी. कृष्णामचारी के बेटे या उनका कोई रिश्तेदार कंपनी चलाता है तो उस कंपनी की मिल्कियत कृष्णामचारी के मंत्री बनने के पहले कितनी थी और मंत्री बनने के बाद कितनी है, इसकी अहमियत इस रूप में ज्यादा है कि हिन्दुस्तान किस तरफ जा रहा है? डॉ. लोहिया ने बताया था कि कृष्णामचारी की एक कंपनी मुश्किल से बीस या तीस लाख की रही होगी और अब वह करोड़ों रुपये की हो गई है। घोटालों के जांच करने के तौर-तरीकों में हर घोटाले के बाद परिवर्तन किया जाता है लेकिन किसी जांच की प्रक्रिया और सुधार ने घोटालों को कम नहीं होने दिया। मोदी की सरकार के बनने के पीछे तो मनमोहन सिंह सरकार के कार्यकाल के दौरान हुए घोटालों के खिलाफ आंदोलन रहे हैं। किसी घोटाले में किसी एक के अमीर और बड़े-से-बड़ा अमीर बनने की एक कहानी सामने आती है तो दूसरी तरफ उसके साथ यह तय भी शामिल होता है कि उस घोटाले ने एक अमीर वर्ग तैयार किया है और उसमें वह नेता शामिल है, जो घोटाले की साजिश शुरू करने के वक्त सत्ता में था। यह वर्ग भारत के कागजों में अपना पता-ठिकाना दिखाता है मगर रहता है किसी सुरक्षित राष्ट्र में। सत्ता अमीर पैदा करने की मशीनरी है। अस्सी प्रतिशत से ज्यादा राजनेताओं की संपत्ति में सत्ता के प्रभाव से सौ-सौ प्रतिशत से भी ज्यादा का इजाफा इस दौर में दिखता है। 73 प्रतिशत संपत्ति एक प्रतिशत लोगों के पास पहुंच गई है और यह पहले यूपीए और इसके बाद मोदी की सरकार के कार्यकाल का कड़वा सच है। तकनीकी रूप से घोटाले में शामिल नहीं होने की चालाकी से बचने का एक प्रशिक्षण होता है लेकिन घोटालों के नतीजे यह हैं कि एक तरफ अमीरों की संख्या बढ़ी है तो दूसरी तरफ बेतहाशा गरीबी बढ़ी है। भारतीय समाज में भ्रष्टाचार और घोटाले से अमीर और अमीरी की संस्कृति विकसित हुई है। ग्लोबल मार्केट में मेड इन इंडिया के रूप में नीरव मोदी की पहचान है तो इसका यह एक उदाहरण है। नई आर्थिक व्यवस्था में बैंक घोटालों और भ्रष्टाचार के केंद्र बने हुए हैं। मार्च 2017 में आरबीआई के मुताबिक 2016-17 के पहले नौ महीनों में आईसीआईसीआई बैंक से 1 लाख रुपये और ज्यादा की रकम के फर्जी ट्रांजैक्शन पकड़े गए जबकि एसबीआई के 429, स्टैंर्डड चार्टर्ड बैंक के 244 और एचडीएफसी बैंक के 237 फर्जी ट्रांजैक्शन सामने आए। अप्रैल से दिसम्बर 2016 के बीच 177.50 अरब रुपये के फ र्जीवाड़े के 3,870 मामले दर्ज करवाए गए। आईआईएम बेंगलुरू के अध्ययन में पता चला है कि देश के सरकारी बैंकों को 2012 से 2016 के बीच फ र्जीवाड़े से कुल 227.43 अरब रुपये का चूना लग चुका है। केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने आरबीआई के आंकड़ों का हवाला देते हुए संसद को बताया था कि 1 जनवरी से 21 दिसम्बर 2017 तक 179 करोड़ रु पये के बैंक फर्जीवाड़े के 25,800 से ज्यादा मामले सामने आए। इन फ र्जीवाड़ों को क्रेडिट/डेबिट काड्र्स और इंटरनेट बैंकिंग के जरिए अंजाम दिया गया था। लेकिन घोटालों को केवल बैंकों तक ही सीमित रखकर इसके राजनीतिक जुड़ाव को नहीं समझा जा सकता है। घोटालों से एक सामाजिक वर्ग तैयार हुआ है और वह बैंकों से लेकर व्यापम तक दिखता है। यह वर्ग राजनीतिक रूप से इस कदर ताकतवर है कि न्याय पण्राली भी असहाय दिखती है। 2जी स्कैम यूपीए में बताया गया लेकिन एनडीए के कार्यकाल में आरोपी मुक्त हुए। राजनीति का अपराधीकरण पुराना मुहावरा है। अपराध का राजनीतिकरण के दौर से भारतीय समाज गुजर रहा है।

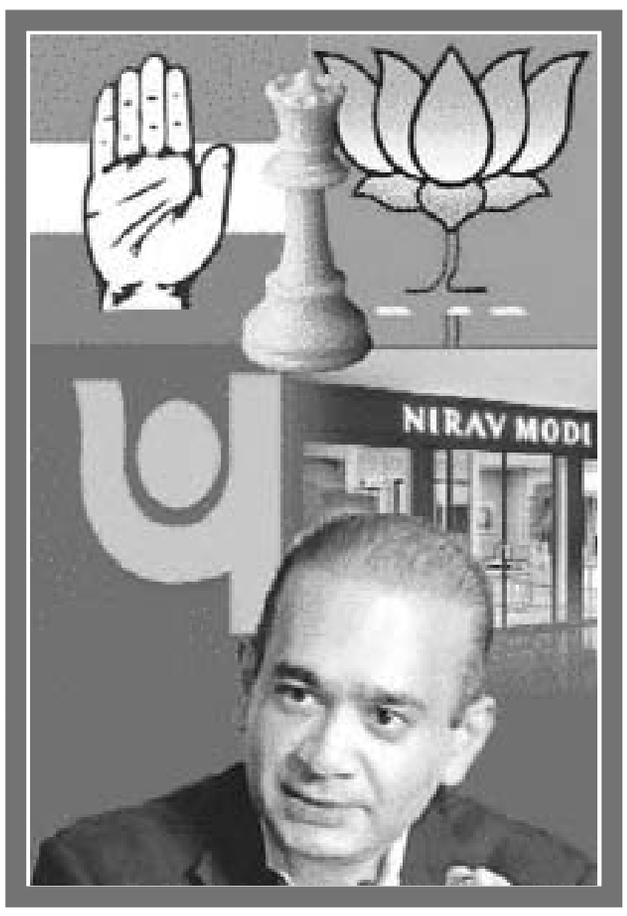

चलते चलते

''सोशल एक्टिविज्म'

जेएनयू प्रशासन यूजीसी के मापदण्डों का हवाला दे रहा है, वहीं विरोध करने वाले इसे छात्रों को विविद्यालय की चारदीवारी तक समेटने और ''खुला ज्ञान प्रवाह' संस्कृति को बाधित करने का आरोप लगा रहे हैं। विविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मापदंडों के अनुसार

कहना कठिन है कि जवाहरलाल नेहरू विविद्यालय (जेएनयू) के पीछे विवाद पड़ा हुआ है या विवाद के पीछे जेएनयू। देश के विशिष्ट विविद्यालय के तौर पर ख्यातिलब्ध जेएनयू में विवाद का ताजा संदर्भ 75 फीसद उपस्थिति अनिवार्य रूप से पूरा करने को लेकर है। एक तरफ जहां अनिवार्य उपस्थिति के पक्ष में जेएनयू प्रशासन यूजीसी के मापदण्डों का हवाला दे रहा है, वहीं विरोध करने वाले इसे छात्रों को विविद्यालय की चारदीवारी तक समेटने और ''खुला ज्ञान प्रवाह' संस्कृति को बाधित करने का आरोप लगा रहे हैं। तयों पर जाएं तो विविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मापदंडों के अनुसार सभी विविद्यालय में एक न्यूनतम अनुपस्थिति अनिवार्य है। लेकिन शिक्षकों और छात्रों की आपसी समझ के तहत इसका बहुत कड़ाई से अनुपालन नहीं किया जाता, विशेषकर शोध वर्ग (पीएचडी-एमफिल) में। सामान्यत: कहा जाता है कि व्यावहारिक ज्ञान यानी जमीनी किताबों-कक्षाओं के बनिस्बत ज्यादा महत्त्वपूर्ण होता है। आंदोलनरत छात्रों का यह तर्क है कि पठन-पाठन की अपनी इसी सहज संस्कृति की बुनियाद पर जेएनयू देश के अन्य विविद्यालयों से आगे है। वो यह भी सवाल उठाते हैं कि आखिर अनिवार्य उपस्थिति की बात अभी क्यों उठी? वो इसे वर्तमान केंद्रीय सत्ता व्यवस्था से जोड़ते हैं और कहते हैं कि सरकार चीन के तर्ज पर सवालों को दबाना चाहती है, सवालों से घबराती है। वो आईआईटी और आईआईएम की तर्ज पर जेएनयू का मशीनीकरण कर देना चाहती है। वहीं अनिवार्य उपस्थिति के पक्षकार कहते हैं कि विरोध करने वाले छात्र पढ़ाई के ऊपर ''सोशल एक्टिविज्म' को ज्यादा तरजीह देते हैं। वामपंथ के गढ़ के तौर मशहूर जेएनयू वर्तमान केंद्र सरकार का नीतियों का मुखर विरोधी माना जाता है। इस परिसर में रंच मात्र का विवाद भी राजनैतिक-वैचारिक रंग ले लेता है। परिसर में विभाजन रेखाएं उभर आती हैं। वर्तमान विवाद में कुलपति पर संवादहीनता का आरोप लगते हुए शिक्षक भी विरोध मार्च निकलने जा रहे हैं, जाहिर है इस नये विवाद के बीच परिसर का माहौल पढ़ाई के प्रतिकूल ही जाता दिख रहा है। बेहतर होगा कि अपने-अपने पूर्वाग्रह और राजनीतिक एजेंडे को खूंटी में टांगकर विविद्यालय के गौरवमय अतीत को वापस लाने का प्रयास हो।

फोटोग्राफी...

इटली का प्राचीन कस्बा, जिसे रोमन सेना के परिवारों ने बसाया था

यह फोटो उत्तरी इटली की सबसे खूबसूरत गार्दा झील का है, जो 370 वर्ग किलोमीटर में फैली है। इसका क्रिस्टल क्लीयर पानी पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहां की गर्मियों में इसमें वॉटर स्पोर्ट्स होते हैं, जिसमें हर साल 2 लाख से अधिक लोग हिस्सा लेते हैं। यह मिलान और वेनिस शहर के बीच में स्थित है, इसलिए सामान्य दिनों में भी पर्यटकों की आवाजाही ज्यादा होती है। गार्दा झील के पास बसे क्षेत्र को गार्दालैंड कहते हैं, जिसका यहां ऐतिहासिक महत्व है। कुछ निर्माण सदियों पुराने हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इसी झील के किनारे रोमन साम्राज्य से लेकर नेपोलियन प्रथम के कार्यकाल तक युद्ध हो चुके हैं। वर्ष 1797 में और 1866 में इटली व ऑस्ट्रिया के बीच यहां लड़ाइयां हुई हैं। उस दौर के सैनिक परिवार यहां बस गए थे, उन्हीं की पीढ़ियों ने यह क्षेत्र बसाया था जो आज इटली के मशहूर स्थलों में शामिल हो गया है।ciao.citalia.com

''गंभीर कुपोषण''

बच्चों की सेहत को ध्यान में रखने का दावा करते हुए सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने लोक सभा में बताया है कि कार्टून चैनल पर जंक फूड के विज्ञापन नहीं दिखाए जाएंगे। हालांकि बाद में सरकार ने यह भी कहा कि जंक फूड के विज्ञापन पर प्रतिबंध का उनका ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है और नौ बड़ी कंपनियां अपनी मर्जी से ऐसा कर रही है। एक रिपोर्ट की मानें तो 5 वर्ष से कम उम्र के 38 फीसदी भारतीय बच्चे ''गंभीर कुपोषण'' के शिकार हैं, जबकि विश्व स्वास्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की मानें तो 13 वर्ष से कम उम्र के 22 फीसद बच्चे मोटापे के भी शिकार हैं। हालांकि, सरकार का दावा है कि बच्चों को बीमारियों से बचाने के उद्देश्य से ही ऐसा कदम उठाया गया है, लेकिन सरकार के इन गाइडलाइंस पर कुछ लोगों की नाराजगी भी सामने आई है। दरअसल, ऐसे बहुतेरे सवाल हैं, जो इस प्रतिबंध के बाद जहन में आते हैं। सवाल इसलिए भी जरूरी है क्योंकि विज्ञापनों का प्रसारण, चैनलों और उत्पादन करने वाली कंपनियों दोनों के लिए ही कमाई का जरिया है। इस निर्देश से दोनों को ही आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। ऐसे में अहम सवाल है कि क्या सरकार ने ऐसे विज्ञापनों के लिए कोई खास आधार तैयार किया है? दरअसल, सरकार को उन विज्ञापनों पर ही रोक लगाने चाहिए, जो निहायत जरूरी लगे। क्योंकि विज्ञापनों का सामान्यीकरण होना चैनलों, कंपनियों और विज्ञापनों में अभिनय करने वालों सभी के लिए ही आर्थिक नुकसान का मामला है। इससे इतर, सरकार का यह कदम उन बच्चों को भी प्रभावित करने वाला है जो मनोरंजन उद्योग से जुड़े हुए हैं। चूंकि जंक फूड के बहुतेरे विज्ञापन हैं, जिनमें छोटे-छोटे बच्चे अभिनय करते हुए दिखते हैं। स्वाभाविक है कि इनमें बच्चों का प्रयोग बच्चों को लुभाने के लिए ही किया जाता है। अब जबकि सरकार ने विज्ञापन पर रोक लगा दिया है, ऐसे में उनके मनोरंजन उद्योग में काम करने के संवैधानिक अधिकार का भी हनन है। दरअसल, पिछले वर्ष दिसम्बर में ही सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने सभी चैनलों के लिए एक एडवाइजरी जारी की थी। चैनलों से यह कहा गया कि ऐसे अभद्र और अश्लील विज्ञापन, जो बच्चों की सुरक्षा को खतरे में डालत हो या गलत चीजों में उनकी रुचि पैदा करता हो, सुबह के छह बजे से रात के दस बजे के बीच न दिखाएं। पिछले ही वर्ष राखी सावंत द्वारा कंडोम के एक विज्ञापन पर और सन्नी लियोन द्वारा नवरात्रि के मौके पर एक कंडोम विज्ञापन पर कुछ संगठनों ने नाराजगी जाहिर की थी। सरकार का तर्क था कि इससे बच्चों की मानसिकता साफ-सुथरी बनी रहेगी और वो बुरा असर करने वाली चीजों से दूर रहेंगे। लेकिन यहां पर भी सरकार ने अपनी चूक पर गौर नहीं किया। सवाल है कि क्या केवल कंडोम के विज्ञापन से समाज में अश्लीलता और अभद्रता फैलती है? दरअसल, कुछ ऐसे भी सामान्य उत्पाद हैं, जिनका विज्ञापन लोगों को उत्तेजित करने वाला है। मसलन, बनियान और अंडरगारमेंट्स के विज्ञापन भी ''परिवार समय' में देखने में असहजता महसूस होती है। यहां तक कि मोटरसाइकिल तक जैसे विज्ञापन भी परिवार के साथ बैठकर देखना मुश्किल होता जा रहा है। मोटरसाइकिल के विज्ञापन भी बच्चों की सुरक्षा को खतरे में डालते हैं। प्रतिबंध लगाना कभी भी समस्या का हल नहीं हो सकता। न तो जंक फूड पर बैन लगाने से बच्चों की रुचि जंक फूड खाने में कम होगी और न ही कंडोम के विज्ञापन पर प्रतिबंध लगाने से समाज में अश्लीलता के प्रसार पर लगाम लगेगा। विज्ञापन करने के तरीके में बदलाव करना एक उपाय हो सकता है, जिससे बच्चों पर बुरा असर पड़ने का खतरा नहीं रहेगा।

श्रीलंका ने किया बांग्लादेश का क्लीन स्वीप

सिलहट (एजेंसी)।

सलामी बल्लेबाज कुसल मेंडिस की 42 गेंदों में 70 रन की ताबड़तोड़ पारी की बदौलत श्रीलंका ने बांग्लादेश को दूसरे और अंतिम टी-20 मैच में 75 रन से हराकर शृंखला 2-0 से अपने नाम की।

मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द सीरीज कुसल ने टी-20 कॅरियर की अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी में छह चौके और तीन छक्के लगाए। उन्होंने दूसरे सलामी बल्लेबाज धनुष्का गुणतिलका (42) के साथ 11 ओवर में 98 रन की साझेदारी भी की।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की पूरी टीम 18.4 ओवर में 135 रन सिमट गई। कप्तान महमूदुल्लाह ने रनआउट होने से पहले 41 रन की पारी खेली।

श्रीलंका के आठ खिलाडियों ने गेंदबाजी में हाथ आजमया जिसमें सात विकेट लेने में सफल रहे। तेज गेंदबाज शेहान मधुशानका और पार्ट टाइमर गुणतिलका को दो-दो विकेट मिले।

शीर्ष 100 में जगह बनाने के करीब पहुंचे युकी भांबरी

नई दिल्ली। युकी भांबरी भले ही चेन्नई ओपन चैलेंजर टूर्नामेंट के फाइनल में हार गए, लेकिन इस अच्छे प्रदर्शन के दम पर वह सोमवार को जारी ताजा एटीपी एकल रैंकिंग में 11 पायदान की लंबी छलांग लगाकर फिर से शीर्ष 100 में जगह बनाने के करीब पहुंच गए। युकी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के जार्डन थाम्पसन से 5-7, 6-3, 5-7 से हार गए थे, लेकिन इस एटीपी टूर्नामेंट में उपविजेता बनने पर पुरूष एकल रैंकिंग में लाभ हुआ और वह अब 101वें स्थान पर पहुंच गए हैं जो पिछले दो साल में उनकी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। यह भारतीय खिलाड़ी आखिरी बार फरवरी 2016 में एक सप्ताह के लिए शीर्ष 100 में (99वें स्थान) पर पहुंचा था, लेकिन इसके बाद चोटों से जूझने के कारण उनकी रैंकिंग में लगातार गिरावट आती रही और एक समय वह 552वें स्थान पर पहुंच गए थे। कोर्ट पर वापसी करने के बाद हालांकि उनकी रैंकिंग में लगातार सुधार होता रहा। रामकुमार रामनाथन भारतीय खिलाडियों में युकी के बाद दूसरे स्थान पर हैं। रामकुमार एक पायदान ऊपर 140वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सुमित नागल भी एक स्थान ऊपर 216वें नंबर पर पहुंच गए हैं। पुरूष युगल रैंकिंग में रोहन बोपन्ना पहले की तरह 20वें स्थान पर बने हुए हैं और भारतीय खिलाडियों में शीर्ष पर हैं। उनके बाद दिविज शरण (42), लिएंडर पेस (49) और पुरव राजा (57) का नंबर आता है। पेस दो पायदान नीचे खिसके हैं। महिलाओं की डब्ल्यूटीए रैंकिंग में सानिया मिर्जा 14वें स्थान पर बनी हुई हैं।

क्वितोवा ने जीता सत्र का लगातार दूसरा खिताब

दोहा। चेक गणराज्य की पेत्रा क्वितोवा ने सेट हारने के बाद जबर्दस्त वापसी करते हुए स्पेन की गरबाइन मुगुरुजा को हराकर कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। दो बार की विंबलडन चैंपियन क्वितोवा ने यहां रविवार को खेले गए फाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त मुगुरुजा को दो घंटे 16 मिनट तक चले मुकाबले में 3-6, 6-3, 6-4 से शिकस्त देकर सत्र का लगातार दूसरा खिताब अपनी झोली में डाल लिया। उनकी यह 22वीं डब्ल्यूटीए खिताब है। 16वीं वरीयता प्राप्त क्वितोवा की यह लगातार 13वीं जीत है। 27 साल की क्वितोवा ने दो सप्ताह पहले ही सेंट पीटसबर्ग में इस वर्ष का पहला खिताब जीता था। उनकी इस वर्ष शीर्ष 10 खिलाडियों के खिलाफ यह छठी जीत है। क्वितोवा जब यहां टूर्नामेंट खेलने आई थी तो उस समय वह 21वें नंबर पर थी। चेक खिलाड़ी ने इससे पहले सेमीफाइनल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी और ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन डेनमार्क की कैरोलिन वोज्नियाकी को हराकर फाइनल में प्रवेश किया था।

डोपिंग मामला साबित होता है तो बेहद निराशाजनक : आईओसी

प्योंगचांग (दक्षिण कोरिया)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने कहा कि शीतकालीन ओलंपिक में रूसी कर्लर से जुड़ा डोपिंग का मामला अगर सच साबित होता है तो यह 'बेहद निराशाजनक' होगा। रूस के ओलंपिक एथलीट (ओएआर) के एक प्रवक्ता ने प्योंगचांग में रूसी मीडिया से कहा कि उसके एक कर्लर के 'ए' नमूने में संभावित उल्लंघन नजर आता है और 'बी' नमूने की सोमवार को जांच की जाएगी। आईओसी के प्रवक्ता मार्क एडम्स ने इस पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा, ''अगर यह मामला सही साबित होता है तो यह हमारे लिये बेहद निराशाजनक होगा।' डोपिंग का यह ताजा मामला रूस के लिये भी शर्मनाक होगा जिस पर सरकार से प्रायोजित डोपिंग के कारण शीतकालीन ओलंपिक से प्रतिबंधित कर दिया गया था।रूस के हालांकि 168 खिलाड़ी तटस्थ ओलंपिक खिलाड़ियों के रूप में इन खेलों में हिस्सा ले रहे हैं।

हरमनप्रीत, कुलदीप और युजवेंद्र को मिले ये पुरस्कार

नई दिल्ली। हरमनप्रीत कौर के विश्व कप में बेजोड़ प्रदर्शन के लिए ईएसपीएन क्रिकइन्फो वार्षिक पुरस्कारों में महिला क्रिकेट में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आंका गया जबकि कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल भी पुरस्कार हासिल करने वालों में शामिल रहे। कुल 12 पुरस्कारों में से तीन पुरस्कार भारतीय खिलाडियों को मिले जो किसी एक देश के खिलाडियों को मिले सर्वाधिक पुरस्कार हैं।

हरमनप्रीत ने विश्व कप के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 171 रन की तूफानी पारी खेली थी। इस टूर्नामेंट में भारत उप विजेता रहा था और हरमनप्रीत के प्रदर्शन को महिला बल्लेबाजी में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आंका गया। लेग स्पिनर चहल को इंग्लैंड के खिलाफ बेंगलुरू में तीसरे टी-20 में 25 रन देकर छह विकेट लेने के कारनामे के लिए वर्ष का सर्वश्रेष्ठ टी-20 गेंदबाजी प्रदर्शन आंका गया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धर्मशाला में अपने पदार्पण टेस्ट मैच से सुर्खियों में आने वाले कुलदीप अब भारतीय टीम का अहम अंग हैं। उन्होंने 2017 में तीनों प्रारूपों में 43 विकेट लिए और उन्हें पदार्पण वर्ष में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। वर्ष का कप्तान पुरस्कार पहली बार किसी महिला खिलाड़ी को दिया गया। इंग्लैंड की हीथर नाइट को यह पुरस्कार मिला। उनकी अगुवाई में इंग्लैंड ने विश्व कप जीता था।

नाइट की साथी अन्या श्रबसोले का विश्व कप फाइनल में भारत के खिलाफ 46 रन देकर छह विकेट लेने के लिए महिलाओं में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन आंका गया। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ को भी पुरस्कार मिला। भारत के खिलाफ पुणे में उनकी 109 रन की पारी को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पारी माना गया। उनके साथी नाथन लियोन ने बेंगलुरू टेस्ट में 50 रन देकर आठ विकेट लिए जिसे वर्ष का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट गेंदबाजी प्रदर्शन आंका गया।

भुवनेश्वर ने इसे बताया भारतीय टीम की सफलता का राज

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)।

भारतीय तेज गेंदबाजी भुवनेश्वर कुमार का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के वर्तमान दौरे में भारतीय बल्लेबाजों ने शार्ट पिच गेंदों का अच्छी तरह से सामना किया जो कि टीम की सफलता का एक प्रमुख कारण है। भुवनेश्वर ने भारत की पहले टी-20 में जीत के बाद कहा कि दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच में शार्ट पिच गेंदों से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने की कोशिश की लेकिन यह रणनीति उन पर उलटी पड़ गई।

भुवनेश्वर ने भारत की 28 रन से जीत के बाद कहा कि जब भी भारतीय टीम विदेश जाती है तो यह माना जाता है कि उसके बल्लेबाज शार्ट पिच गेंदों को खेलने में पूरी तरह से सक्षम नहीं हैं। इस बार हमने ऐसा नहीं देखा। हम वास्तव में शार्ट पिच गेंदों से अच्छी तरह से निबटे। आज उन्होंने पारी के शुरू में पांच- छह ओवर में काफी शार्ट पिच गेंदें की, लेकिन यह रणनीति उन पर उलटी पड़ गई।

उन्होंने कहा कि हमारी जो भी साख रही हो पिछले कुछ वर्षों में हम उसके विपरीत खेल रहे हैं। हमने इस दौरे में शार्ट पिच गेंदों को अच्छी तरह से खेला। वे शार्ट पिच गेंदें करना चाहते हैं, लेकिन इससे उन्हें फायदा नहीं मिल रहा है। भुवनेश्वर ने 24 रन देकर पांच विकेट लिए जिससे भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 20 ओवर में नौ विकेट पर 175 रन ही बनाने दिए। भारत ने इससे पहले पावरप्ले में ताबड़तोड़ रन बटोरकर पांच विकेट पर 203 रन का स्कोर खड़ा किया था।

अपने टी-20 कॅरियर में पहली बार पांच विकेट लेने वाले भुवनेश्वर ने कहा कि मैं अपनी गति में परिवर्तन लाने की कोशिश कर रहा हूं। मैं गेंद की गति को नियंत्रित करना चाहता था, क्योंकि मैं जानता था कि शाट मारना आसान नहीं है और इसलिए मैंने ऐसा किया। महत्वपूर्ण यह है कि विकेट की प्रकृति के अनुसार आप अपनी गेंदों के साथ कैसे सामंजस्य बिठाते हैं।

मैदान छोड़ अब यहां भिड़े ये दो नामी खिलाड़ी

नई दिल्ली। रविचंद्रन अश्विन और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज हर्शल गिब्स आज ट्विटर पर भिड़ गये जिसमें भारतीय स्पिनर ने मैच फिक्सिंग मामले को लेकर गिब्स का मजाक उड़ाया। अश्विन ने जूता ब्रांड का प्रचार करते हुए उसे आरामदायक और दौड़ने में मदद करने वाला बताते हुए लिखा, मैं इसे पहनने का और इंतजार नहीं कर सकता। अश्विन को मौजूदा भारतीय टीम में तेज दौड़ने वाले खिलाड़ियों में शामिल नहीं किया जाता है और गिब्स ने मजाक करते हुए उन्हें ट्वीट किया, अश्विन उम्मीद है अब आप थोड़ा तेज दौड़ेंगे। दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी से मिली ऐसी प्रतिक्रिया पर अश्विन ने पलटवार करते हुए लिखा, मित्र, निश्चित तौर पर आपके जितना तेज नहीं, दुर्भाग्य से इस मामले में मैं आपके जितना तेज नहीं हूं। लेकिन मेरे पास शानदार नैतिक मूल्य है जिससे मैं मैच फिक्सिंग नहीं करता हूं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने 2001 में मैच फिक्सिंग के आरोप में गिब्स पर जुर्माना लगाने के साथ उन्हें निलंबित भी किया था। इस असहज स्थिति से बचने के लिए गिब्स ने इस बातचीत को आगे बढ़ाना सही नहीं समझा। उन्होंने ट्वीट किया, ऐसे मजाक नहीं ले सकता, यहां से हट रहा हूं। स्थिति को बिगड़ता देख बचाव की मुद्रा में आए अश्विन ने कहा कि उनका जवाब सिर्फ एक मजाक था। उन्होंने लिखा, मैं पूरी तरह से यह मानता हूं कि मेरा जवाब एक मजाक था, लेकिन देखिए कैसे लोगों और खुद आप इसे किस तरह ले रहे हैं। मैं सिर्फ मजा लेना चाहता था, हम कभी साथ खाने पर इसकी चर्चा करेंगे।

धोनी ने टी-20 क्रिकेट में बनाया यह विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत ने तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज के शुरुआती मैच में दक्षिण अफ्रीका को 28 रन से शिकस्त दी। इस मुकाबले में पूर्व भारतीय कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने भी एक विश्व रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी पारी के 18वें ओवर की पहली गेंद पर रीजा हेंडरिक्स का कैच लेते हुए श्रीलंका के कुमार संगकारा का कीर्तिमान ध्वस्त किया।

महेंद्र सिंह धोनी ने 262 पारियों में टी-20 क्रिकेट में 134 कैच लपके। इससे पहले कुमार संगकारा ने 194 पारी में 133 कैच लपके थे। भारत की ओर से दिनेश कार्तिक ने भी क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में 123 कैच पकड़े हैं।

इससे पहले शिखर धवन (72) की 10 चौके और दो छक्के जड़ित 39 गेंदों की पारी से भारत ने पांच विकेट पर 203 रन का स्कोर खड़ा किया जो उसका दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 में सर्वश्रेष्ठ स्कोर भी है।

इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम रीजा हेंड्रिक्स की 70 रन की अर्धशतकीय पारी और फरहान बेहारडियन (39 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी के बावजूद निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 175 रन ही बना सकी।

सचिन के 100 शतकों का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं विराट : विश्वनाथ

कोलकाता। पूर्व दिग्गज क्रिकेटर गुंडप्पा विश्वनाथ का मानना है कि टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के 100 शतकों के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। बेहतरीन फार्म में चल रहे कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक दिवसीय शृंखला में 500 से ज्यादा रन बनाकर द्विपक्षीय श्रृंखला में ऐसा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने। उन्होंने शृंखला में तीन शतकों के बूते अपना 35वां एकदिवसीय शतक बनाया। अंडर-14 आमंत्रण क्रिकेट टूर्नामेंट से इतर विश्वनाथ ने कहा कि कोहली ने कमाल का प्रदर्शन किया है और निरंतरता दिखाई है। वह लगातार शतक बना रहे हैं। उनके पास तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोडने का पूरा मौका होगा, लेकिन यह थोड़ा मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड बनते ही हैं टूटने के लिए। मैं उनके (कोहली) लिए खुश हूं और मुझे उम्मीद है कि सचिन भी इससे खुश होंगे। हालांकि उन्हें अभी लंबा सफर तय करना है। विश्वनाथ ने कहा कि सब को पता है कि कोहली क्या कर रहे हैं, वह कमाल का प्रदर्शन कर रहे है। उनकी निरंतरता, रन बनाने की भूख, आक्रमकता कमाल की है।

मध्यक्रम के लिए प्रतिस्पर्धा मुझे रोमांचित करती है : श्रेयस अय्यर

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

विश्व कप में अब 16 महीने का समय बचा है और भारत की एकदिवसीय टीम में अब भी मध्यक्रम में कुछ स्थान दांव पर लगे हैं। ऐसे में श्रेयस अय्यर इसे 'मौके' के रूप में देखते हैं और इन स्थानों के लिए दावा पेश कर रहे हैं। एकदिवसीय टीम में चौथे या पांचवें स्थान के लिए अय्यर को दावेदार के रूप में देखा जा रहा है और इस स्थान के लिए उन्हें अजिंक्य रहाणे, केदार जाधव, दिनेश कार्तिक और संभवत- सुरश रैना जैसे खिलाड़ियों से चुनौती मिलेगी।

मुंबई का यह 23 वर्षीय बल्लेबाज हालांकि तनाव में नहीं है। दक्षिण अफ्रीका दौरे से वापस लौटने के बाद अय्यर कहा, ''बल्लेबाजी स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा मुझे कभी चिंतित नहीं करती। मैं कहूंगा कि इससे मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता हूं। मेरे लिए स्थान के लिए चुनौती पेश करना खतरा नहीं बल्कि मौका है।'' दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे और पांचवें वनडे में क्रमश- 18 और 30 रन की पारी खेलने वाले अय्यर ने कहा, ''साथ ही मेरा ध्यान सिर्फ अपने खेल में सुधार पर है और मैं इस बारे में नहीं सोचता कि मेरे प्रतिस्पर्धी कौन हैं।'' इस बल्लेबाज ने ए टीम के साथ दक्षिण अफ्रीका दौरे पर अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन सीनियर टीम के साथ अनुभव अलग रहा। दायें हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा, ''जिन दो मैचों में मैंने बल्लेबाजी की उनमें मुझे पिछले साल ए दौरे की तुलना में पिच काफी तेज लगी। ए दौरे के दौरान प्रिटोरिया में पिचें इतनी तेज नहीं थी।'' उन्होंने कहा, ''यह सीखने वाला अनुभव है। साथ ही खचाखच भरे स्टेडियम में खेलने के दबाव को मत भूलिए। मुझे आईपीएल में खचाखच भरे स्टेडियमों में खेलने का अनुभव है लेकिन यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट है।'' शीर्ष स्तर पर खेलने की चुनौती के बारे में पूछने पर अय्यर ने कहा, ''जो भी कहता है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का दबाव महसूस नहीं करता वह झूठ बोलता है।'' आईपीएल में दिल्ली डेयरडेविल्स ने अय्यर को अपने साथ बरकरार रखा है और वह रिकी पोंटिंग के साथ काम करने को लेकर उत्सुक हैं।

महाराज छत्रपति शिवाजी की 388 जयंती मनाई गई

सोमवार को भगवा रंग में रंगा शहर, भगवा ग्रुप ने निकाली बाइक रैली

सूरत। विश्व हिंदू परिषद्, जय भ्भगवा ग्रुप, यूथ फॉर गुजरात, शिव सैनिक, मराठा युवा ग्रुप व शहर में कार्यरत अनेक सामाजिक संगठनों द्वारा सोमवार को शहर के लिम्बायत, उधना, गोडादरा, नवागांव डिंडोली, पांडेसरा, भ्भेस्तान, सचिन, आसपास सहित के मराठी समाज के बाहुल्य इलाके में गौरक्षक छत्रपति शिवाजी महाराज की 388वीं जयंती मनाई गई। वहीं मनपा की ओर से सहारा दरवाजा स्थित न्यू बाम्बे मार्केट के सामने करणी माता सर्किल पर छत्रपति शिवाजी महाराज की विशालकाय प्रतिमा को स्थापित की गई । जबकि नीलगिरी इलाके से विश्व हिंदू परिषद् के कार्यकर्ताओं ने विशाल बाइक रैली निकाली। वहीं जय भ्भगवा ग्रुप की ओर से जीएनजी पंप से बाइक रैली निकाली। बाइक रैली से पूरा शहर केसरिया-केसरिया हो गया था। करणी माता चौक पर गौरक्षक ख्शिवाजी महाराज की प्रतिमा अनावरण के मौके पर नवसारी सांसद सीआर पाटिल, महापौर स्मिता शिरोया, भ्सभाजीत पटेल, जय भ्भगवा ग्रुप के पदाधिकारी व यूथ फॉर गुजरात के कार्यकर्ता सहित अन्य गणमान्यों के अलावा काफी तादाद में शहरी जन मौजूद थे।

दक्षिण गुजरात की पालिकाओं में भाजपा का भगवा लहराया, पारडी में हुई टाई

जीत की दावेदार रत्ना को मुंह की खानी पड़ी, 28 में से 21 पर भाजपा जीती

सूरत। दक्षिण गुजरात की पालिकाओं का गत शनिवार को चुनाव हुआ था। जिसकी मतगणना सोमवार को की गई। इस चुनाव में भाजपा का कमल खिल गया। जबकि पारडी नगर पालिका में भाजपा और कांग्रेस को 14-14 बराबर के सीट मिलने पर वहां टाई की गई। पारडी के वार्ड नं. 1 में कांग्रेस के पैनल की विजय हुई है। जबकि वार्ड नं. 2 भाजपा की पैनल बाजी मारी है। यहां की वर्तमान पालिका प्रमुख को हार का सामना करना पड़ा है। जीत की दावेदार मानी जाने वाली रत्ना को हार मिलने से लोगों में सन्नाटा का माहौल है। सोनगढ़ पालिका में भी भगवा लहराया है। यहां की कुल 28 सीटों में भाजपा ने 21 पर बाजी मारा है। जबकि कांग्रेस को मात्र 7 सीट पर ही संतोष करना पड़ा है। विजलपोर के पांच वार्डों की मतगणना में भाजपा के उम्म्म्मीदवार विजयी रहे हैं। 20 सीट पर भाजपा ने कब्जा जमा लिया है।

यह रही पालिकाओं की स्थिति

नवसारी जिला बिलीमोरा पालिका
भाजपा-21 कांग्रेस-02 निर्दल- 13 कुल सीट- 36

विजलपोर पालिका
भाजपा -27 कांग्रेस -01 निर्दल-00 कुल सीट -28

वलसाड जिला पारडी पालिका
भाजपा -27 कांग्रेस-14 निर्दल-00 कुल सीट-28

वलसाड नगर पालिका
भाजपा -25 कांग्रेस-09 निर्दल-10 कुल सीट-44

धरमपुर पालिका
भाजपा -14 कांग्रेस 06 निर्दल-00 कुल सीट-20

तापी जिला व्यारा सोनगढ़ नगरपालिका
भाजपा-21 कांग्रेस-07 निर्दल-00 कुल सीट-28

कचरा की मिनीडोर वाहन से युवक की मौत

सूरत। शहर के न्यूसिटी लाइट क्षेत्र पुष्प वाटिका हाल के पास कचरा की मिनीडोर गाड़ी के चालक ने एक 18 साल के युवक को चपेट में ले लेने से उसकी मौत हो गई।

घटना के संदर्भ में खटोदरा पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार भटार के आशीर्वाद पैलेस सन टावर के फ्फ्लैट नं. 603 में रहने वाले निरंजन सीताराम पांडे ने मिनीडोर कचरा गाड़ी नं. जीजे-5-बीएक्स-3215 के चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराया है।

बाइक पर निकले अधेड़ की दुर्घटना में शंकास्पद मौत

सूरत। महिधरपुरा क्षेत्र में स्थित पुलिस चौकी के सामने डिवाइडर के साथ टकराने से गंभीर रूप से घायल हुए अधेड़ को इलाज के लिए 108 के द्वारा सिविल अस्पताल में भर्ती किया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी परिजनों को होने पर उन्होंने बताया कि उनको बाइक चलाने ही नहीं आती थी, वे बाइक के ड्राइवर नहीं थे। जिससे अधेड़ की हुई मौत पर तर्क वितर्क हो रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरोली के उत्राण स्थित श्लोक रेजीडेंसी में रहने वाले चेतन जयंती पटेल (53 वर्ष) के दो बेटे और पत्नी विदेश टूर पर श्रीलंका में गए हैं। इधर घर से बाइक पर निकले चेतन पटेल की महिधरपुरा पुलिस चौकी के पास डिवाइडर के साथ टकराने से दुर्घटना हो गई। घायल चेतन को अज्ञात के रूप में पुलिस जीप में लेकर दिल्ली गेट 108 को सौप दी और इसके बाद सिविल में ले जाया गया। जहां पर उनको मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद चेतनभाई के परिजनों को जानकारी दी गई तो वे अस्पताल में पहुंच गए। परिवार के सदस्यों का कहना है कि चेतनभाई को बाइक चलाने ही नहीं आती थी तो एक्सीडेन्ट कैसे हुआ? इस तरह के प्रश्न मन में उभर रहे हैं। बहरहाल पुलिस दुर्घटना का मामला दर्ज करके आगे की जांच कर रही है।

ट्रैफिक जागरूकता अभियान मे 3.46 लाख की दंड वसूली

सूरत। शहर की ट्रैफिक एवं पुलिस विभाग द्वारा लोगों में ट्रैफिक और उससे होने वाली दुर्घटनाओं के प्रति जागृति आए, उस हेतु से सघन अभियान शुरू किया गया है। इस दौरान लोगों को सुझाव देने से साथ ही साथ ट्रैफिक उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों से विविध स्थलों से दंड वसूली की गई। जिसके अंतर्गत 3,46,600 रुपए की राशि विभाग द्वारा की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर में लोगों में ट्रैफिक के प्रति जागरूकता लाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। ट्रैफिक और पुलिस विभाग द्वारा पिछले 24 घंटे के दौरान शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से कसूरवार वाहन चालकों के विरुद्ध 23 एनसी केस किए गए हैं। इस दौरान स्थल पर ही दंड के रूप में 3,27,600 रुपए तथा विविध पुलिस स्टेशनों में किए गए 4 एनसी केसों में 19000 रुपए सहित कुल 3,46,600 रुपए का दंड 24 घंटे में वसूल किया गया है।

इच्छापोर में युवक की हत्या, रुपए नहीं देने पर हत्या कर दिए जाने की आशंका

सूरत। शहर के इच्छापोर गुजरात स्टेट पेट्रोलियम मोरा कंपाउंड गेट के पास एक युवक की किसी ने तीक्ष्ण हथियार से हत्या कर देने की घटना से सनसनी मच गई है। मृतक की पत्नी ने एक शकमंद के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इच्छापोर बस स्टैंड के पास बाराखोली रुम नं. 8 में रहने वाले संतोष प्रेमशंकर मिश्रा (35 वर्ष, मूलत: चोलापुर बनारस, उत्तर प्रदेश) अपनी पत्नी सुशुमबेन के साथ रहकर नौकरी करते थे। गत रोज गुजरात स्टेट पेट्रोलियम लिमिटेड मोरा कंपाउंड के पास हजीरा रोड पर किसी अज्ञात ने संतोष मिश्रा की तीक्ष्ण हथियार से हमला करके हत्या कर दी। घटना के संदर्भ में मृतका की पत्नी सुशुम ने पुलिस में एक शकमंद के खिलाफ दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताई हैं कि एक माह पहले पवन कुमार सागरसिंह ठाकुर (रिलायंस गेट नं.-1 पार्किंग में) से संतोष ने रुपए की मांग किए थे तो पवन ने रात्रि के समय अकेले आकर रुपए ले जाने के लिए कहा। लेकिन उस समय संतोष लेने के लिए नहीं गए। संभवत: इसी बात की रंजिश रखते हुए शकमंद पवन ने इस हत्या की घटना को अंजाम दिया होगा।

निकाय चुनावों में भाजपा 47, कांग्रेस ने 16 सीटों पर जीत हासिल की

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव में जीत के बाद निकाय चुनाव के रूप में भाजपा ने अपनी पहली परीक्षा में कांग्रेस को शिकस्त दे दी है। राज्य में 75 नगरपालिकाओं में से भाजपा ने नगर पालिकाओं में जीत दर्ज की है। शुरुआत में भाजपा को कड़ी टक्कर देती दिख रही कांग्रेस को 16 नगरपालिकाओं में जीत मिली है। अन्य को 6 जगहों पर जीत मिली है, जबकि 6 नगरपालिकाओं में किसी को बहुमत नहीं मिला। कांग्रेस ने कई नगर पालिकाएं भाजपा से छीन ली हैं। जिसमें देवगढ़ बारिया, झालोद, भायावदर नगर पालिका शामिल हैं। वहीं कांग्रेस छोटाउदेपुर नगरपालिका में अबकि बार किसी को बहुमत नहीं मिला। पिछले चुनाव में भी भाजपा को 59 नगरपालिकाओं में जीत मिली थी। इस लिहाज से इस चुनाव में भाजपा को न तो नुकसान हुआ है और ना ही फायदा।

कांग्रेस ने जरूर इस चुनाव में बेहतर प्रदर्शन किया है। पिछली नगरपालिकाओं में चुनावों में कांग्रेस ने केवल 13 जगहों पर जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार उसे 16 नगरपालिकाओं पर जीत मिली है। 6 नगरपालिकाओं में किसी को बहुमत नहीं मिला है। अमरेली जिले की जाफराबाद नगरपालिका में भाजपा को निर्विरोध रूप से जीत मिली। वलसाड के धरमपुर में भाजपा ने 14 वॉर्डों में जीती, जबकि कांग्रेस को 10 वॉर्डों में जीत मिली। वलसाड के पारडी में भाजपा और कांग्रेस का मुकाबला बराबरी का रहा। यहां भाजपा और कांग्रेस ने 14-14 वॉर्डों में जीत हासिल की। नवसारी के बिलीमोरा में भाजपा ने 21 वॉर्डों पर जीत दर्ज की, वहीं कांग्रेस को 3 और निर्दलीय को 13 सीटें मिलीं। निकाय चुनाव में भाजपा ने दक्षणि गुजरात की सभी नगरपालिकाओं में जीत हासिल की। पार्डी और वलसाड में भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला बराबरी का रहा। सोनगढ़ में भाजपा को 21 और कांग्रेस को 7 सीटें मिली। राज्य निर्वाचन आयुक्त वरेश सिन्हा ने बताया कि 75 नगरपालिकाओं के लिए हुए चुनाव में भाजपा 47, कांग्रेस 16, एनसीपी 1 और बीएसपी ने 1 नगर पालिका पर जीत दर्ज की है। वहीं 4 सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार जीते हैं। गुजरात के 28 जिलों की 74 निकाय सीटों पर शनिवार को चुनाव हुए थे। 75 नगर पालिकाओं की 2060 सीटों में से 1167 सीटों पर भाजपा, 630 सीटों पर कांग्रेस, 15 सीटों पर बसपा, 28 सीटों पर एनसीपी, अन्य को 18 तथा 202 सीटों पर निर्दलीयों की जीत हुई है।

कनाडा के पीएम को वाइब्रेंट समिट में भाग लेने का न्यौता

गांधीनगर(ईएमएस)। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टीन ट्रूडे को आगामी 2019 में होनेवाली वाइब्रेंट गुजरात ग्लॉबल समिट में उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ भाग लेने का न्यौता दिया है। कनाडा वाइब्रेंट समित का कन्ट्री पार्टनर रहा है। मुख्यमंत्री ने आगामी वाइब्रेंट समिट 2019 में कनाडा के प्रधानमंत्री को स्वयं इसमें शामिल होने का आग्रह किया है। गौरतलब है कि अहमदाबाद के एक दिवसीय दौरे पर आए कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टीन ट्रूडे के साथ मुख्यमंत्री ने आज हवाई अड्डे पर औपचारिक मुलाकात की थी। विजय रूपाणी और जस्टीन ट्रूडे ने एज्यूकेशन, इंडस्ट्री, स्टार्टअप और इनोवेशन क्षेत्रों में कनाडा-गुजरात के साथ मिलकर नए परिमाण प्राप्त कर सकें, इस दिशा में चर्चा की। मुख्यमंत्री ने गुजरात में औद्योगिक निवेश और उत्पादन क्षेत्र में कनाडा की बोम्बार्डियर, मेकेन्स जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों के कार्यरत होने का उल्लेख करते हुए कनाड की अन्य कंपनियों को इसके लिए प्रेरित करने की जस्टीन ट्रूडे से अपील की। कनाडा के प्रधानमंत्री ने गुजरात में लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने पर विजय रूपाणी को बधाई दी और उन्हें कनाडा आने का न्यौदा भी दिया।

माली समाज सेवा ट्रस्ट ने मनाया वार्षिक महोत्सव

सूरत। राजस्थान माली समाज सेवा ट्रस्ट का वार्षिक महोत्सव विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। माली समाज के अध्यक्ष ;शांतिलाल गेहलोत ने बताया कि हर साल जागृति महोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। अंतोली गांव की समाज की वाडी में अनेक आयोजन किये गए। रणुजाधाम बाबारामदेव पीर की भक्ति और पूजा पाठ कर हर व्यक्ति ने धोक लगा कर परिवार की खुशहाली के लिए कामना की । माली समाज के युवा गौरक्षा कमांडो के अध्यक्ष ने गोहत्या महापाप बताते हुए गोरक्षा के लिए युवाओं को आगे आने का आह्वान किया। व्यसन मुक्त समाज के लिए युवा जागृति के लिए आग्रह किया। राज-स्थान से आए भजन कलाकारों ने गत रात भजन की प्रस्तुति से झूम उठे। समाज के युवाओ के आग्रह पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया ,लोकसमर्थन केंद्र से डॉ.अविनाश के तत्वाधान में 160 यूनिट रक्त एकत्रित किया। समाज के होनहार और होशियार छात्र- छात्राओं को सम्मानित किया गया। आज सैकड़ो महिलाओ और पुरुषो की उपस्थिति में विधार्थियो को कप और समाज की तरफ से सिंबोल भेंट कर सम्मान दिया। बाबा के दरबार में अखंड ज्योत की गई। भक्तो ने दर्शन लाभ लिया। समाज के उत्थान के लिए जाजम पर लाखो रुपये की बोली लगाई गई। आयोजन में महिला मंडल और नवयुवक मंडल के युवाओ ने व्यवस्था संभाली ।समाजसेवी नवयुवाओ की तरफ से अंतोली गांव से साहरा दरवाजा तक आने जाने की सेवा प्रधान की गई। लखमीराम धाम अमरपुरा के अध्य्क्ष एवं राजस्थान सरकार में पूर्व मंत्री राजेंद्र गेहलोत एवं आईआरएस अधिकारी घनश्याम सोनी एवं स्थानीय समाज की कारकारिणी के सदस्य उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com